

आत्रेण कुतो विवेकप्रतिपत्तिः 287. ब्रह्मलोक°, चन्द्रलोक° zu *ĀBAND*.
 Up. S. 2. दृष्टिणामार्ग° bei WIND. SANCARA 98. — 2) *Innewerdung, Wahrnehmung, Erkenntnis; Einsicht, Intelligenz; = बोध* H. an. = प्रबोध MED. = चित् TRIK. = प्रतिपद् HALĀJ. 5, 14. गन्धस्य BHĀG. P. 3, 6, 14. वृषाणाम् 15. बोद्धव्य° 23. गुणिनामपि निजवृषप्रतिपत्तिः परत एव संभवति VĀSAYAD. 8. मूषाय° Spr. 1747. अर्थ° Schol. zu ĠAIM. 1, 18. RAGH. 1, 1. विशेष° PAT. bei GOLD. MĀN. 50. Schol. zu P. 3, 1, 92. 6, 2, 16. 3, 67. 8, 1, 24. 3, 2. शिप्रूनां प्रतिपत्तये Verz. d. Oxf. H. 182, a, 17. तथापि ते व्यवसायः प्रतिपत्तिनिष्ठः (Schol.: ज्ञानेन निष्ठः कोटोरे ज्ञातुमशक्यः) RAGH. 8, 64. विषादलुप्त° 3, 40. MBH. 12, 2137. fg. 9140. 16, 286. °युक्त Suçr. 1, 6, 10. — 3) *Annahme, Behauptung, Statuierung*: सो ऽयमध्य-वसायो गवादिषु द्रव्येषु यस्मात्प्रतिपत्तिः । एवमेतन्नान्यथेति TATTVAŚ. 5. तत्र नास्ति प्रधानमिति या प्रतिपत्तिरन्ता 36. न वस्तुभेदप्रतिपत्तिरस्ति मे Spr. 2159. °भेद *Verschiedenheit der Auffassung, — der Ansichten* R. V. PRĀT. 14, 30. विषयविषयिणोर्भेदप्रतिपत्तिरप्यः PRĀTĀPAR. 9, b, 1. — 4) *Eingeständnis* JĀGĀ. 2, 283. — 5) *das an's Werk-Gehen, Beginnen, Darangehen, Thun, Verfahren; = प्रवृत्ति* TRIK. H. an. MED. तत्र का प्रतिपत्तिः स्यात् *was ist da zu thun?* MBH. 13, 2461. MĀLAV. 40, 12. DAÇAK. 74, 5. बाह्यानामाभ्यन्तराणां च करणानामात्मकार्यप्रतिपत्तिर्भवति Suçr. 1, 50, 18. चिरेणानुगुणं प्रोक्ता प्रतिपत्तिपराशुखी (प्र° = उक्तस्या-र्थस्यानुष्ठानम् Schol. 1. = अनुमति Schol. 2) *nicht Willens daran zu gehen* BHĀT. 8, 95. प्रस्तुत° (Schol. Calc. = ज्ञान) RAGH. 15, 75. सौभेदे प्रतिपत्तिं का प्रत्यप्यद्यत मामकाः so v. a. *was fangen sie mit ihm an?* MBH. 7, 1835. उष्टानाम् (अस्थानाम्) *das Verfahren mit bösen Pferden* 4, 318. का तर्हि दण्डधनस्य प्रतिपत्तिः *was fängt man mit den Strafgeldern an?* KULL. zu M. 9, 244. भवत्यनिष्टादपि नाम दुःसहान्मनस्विनीनां प्रतिपत्तिरीदृशी *ein solches Beginnen* KUMĀRAS. 5, 42. R. 2, 22, 16. 23, 16. तस्मान्न प्रतिपत्तिस्तु कार्या युक्ता मता मम MBH. 2, 663. प्रतिपत्तिं च कृच्छ्रेषु 1, 4151. °विशारद *wissend was zu thun ist* 8248. 7, 4848. °दत्त Spr. 1340. °दर्शिनं *zeitend, was zu thun ist* SADDH. P. 4, 51, a. अ° *das Zögern an's Werk zu gehen, Unentschlossenheit* SĀH. D. 175. 33, 21. — 6) *Mittel*: हेदे दंश्य दक्ते वा तत्स्यारक्तमोक्षणम् । एतानि दृष्टमात्राणामप्युप्याः प्रतिपत्तयः ॥ MĀLAV. 62. कर्मसिद्धावाप्नु प्रतिपत्तिमानय 48, 6. — 7) *ehrenvolles Verfahren gegen Jmd, Ehrenerweisung*: देवानाम् MBH. 5, 7167. सर्वामु मातृष्वपि वत्सलत्वात्स निर्विशेषप्रतिपत्तिरासीत् RAGH. 14, 22. तमृषिः पूजयामास विशेषप्रतिपत्तिभिः 15, 12. ÇĀK. 160. RĀGA-TAR. 3, 137. 166. °प्रदान Spr. 1595. RĀGA-TAR. 4, 5. प्रतिपत्तिं दा ÇĀK. 84, 12. सामान्यप्रतिपत्तिपूर्वकम् adv. 92. PAÑKĀT. 117, 11. 256, 16. प्रतिपत्ति = गौरव TRIK. H. an. MED. MALLIN. zu KUMĀRAS. 6, 12. — 8) *das Zukommenlassen, Geben, Ertheilen*: लब्धानामपि वित्तानां बोद्धव्यौ द्वावतिक्रमौ । अत्रात्रे प्रतिपत्तिश्च पात्रे चाप्रतिपादनम् ॥ Spr. 2639. 1638. न्यायेनार्जनमर्थस्य रत्नपं वर्धनं तथा । सत्यात्रप्रतिपत्तिश्च राजवृत्तं चतुर्विधम् ॥ 1639. उत्तरा° *das Nichtertheilen einer Antwort, das Nichtwissen einer Antwort* Schol. zu SĀMKEBJAK. S. 6. शब्दः स्पर्शश्च रूपं च रसो गन्धश्च पञ्चमः । एकैकमलमतेषां विनाशप्रतिपत्तये ॥ so v. a. *den Untergang zu bewirken* KĀM. NĪTIS. 1, 40. Vgl. प्रतिपादन. — 9) *Abschluss*: तासामुत्तमेन प्रणवेना वरु देवान्पितृवृजमानयेति प्रतिपत्तिः ĀÇV. ÇR. 2, 19. Schol. zu KĀTJ. ÇR. 110, 2. 4. 145, 17. 19. 180, 23. 182, 4. 204, 19. 205, 13. 216, 2 u. s. w. —

10) = प्रागल्भ्य *Entschlossenheit, Zuversicht, Dreistigkeit* TRIK. H. an. MED. — 11) = पदप्राप्ति *Erreichung einer Stellung* MED.

प्रतिपत्तिकर्मन् (प्र° + क°) n. *Abschlusshandlung* Schol. zu ÇĀÑKH. BR. 16, 5. Schol. zu KĀTJ. ÇR. 82, 8. 324, 9. 777, 1 v. u.

प्रतिपत्तिपट्ट (प्र° + प°) m. *eine Art Pauke* HĀN. 72 (fälschlich प्रतिपत्तिः पट्टो gedr.). — Vgl. प्रतिपत्तूर्य.

प्रतिपत्तिमत् (von प्रतिपत्ति) adj. *die gehörige Einsicht besitzend, wissend, was zu thun ist*, KĀM. NĪTIS. 4, 28. 12, 25. Suçr. 1, 106, 20. क्रियामु R. GORR. 2, 1, 13.

प्रतिपत्तूर्य (प्रतिपद् + तूर्य) n. *eine Art Pauke* TRIK. 1, 1, 120. — Vgl. प्रतिपत्तिपट्ट.

प्रतिपथम् (von 1. प्र° + पथ) adv. *den Weg entlang*: एति P. 4, 4, 42. KATHĀS. 19, 81. am Anfange eines comp. ohne Casuszeichen: °गति KUMĀRAS. 3, 76. RĀGA-TAR. 5, 88.

प्रैतिपथिक (vom vorherg.) adj. *den Weg entlang gehend* P. 4, 4, 42. — Vgl. प्राति°.

प्रतिपद (1. पद् mit प्रति) f. gaṇa संपदादि zu P. 3, 3, 108, VArtt. 9. 1) *Zugang, Eingang*: देवयानस्य पथः ÇAT. BR. 14, 9, 3. VS. 15, 8. *Weg* VJUP. 4; vgl. BURNOUF in Lot. de la b. l. 520. — 2) *Anfang*: आर्यस्य प्रतिपदं करोति TBa. 3, 8, 15, 11. ब्रह्मैव प्रतिपदं कुरुते TS. 1, 6, 10, 4. — 3) *Anfangsvers, Eingangsstrophe* AIT. BR. 3, 17. 28. 4, 7. 8. 1. TBa. 1, 4, 8, 2. ÇAT. BR. 8, 1, 3. 9, 5, 2, 11. 13, 5, 4, 9. ÇĀÑKH. BR. 11, 4. ÇR. 9, 20, 7. प्रतिपदनुचौ 8, 3, 7. 7, 10. ĀÇV. ÇR. 5, 9. 10. 6, 5. — 4) *Anfangstag einer Monatshälfte*; insbes. *des zunehmenden Mondes* AK. 1, 1, 2, 1. 7. TRIK. 3, 3, 208. H. 147. an. 3, 336. MED. d. 49. ÇĀÑKH. GRBJ. 4, 6. JĀGĀ. 1, 263. MBH. 13, 4229. तिथिं प्रतिपदम् HARIV. 7866. शुक्लपक्षप्रतिपत्तप्रभृति VARĀH. BRH. S. 21, 6. 33, 19. प्रतिपत्कलुषस्येन्दोर्लेखा नातिविराजते MBH. 3, 2700. प्रतिपच्चन्द्रदर्शन R. 2, 112, 20 (122, 28 GORR.). RAGH. 8, 64. KATHĀS. 4, 29. 19, 8. 34, 47. BHAVISHJA-P. in Verz. d. Oxf. H. 30, b, 33. 39. MĀRK. P. 33, 1. Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 7, 9, Çl. 34. Schol. zu KĀTJ. ÇR. 169, 4. fgg. 295, 15. 322, 5. 425, 16. 441, 23. — 5) *Intelligenz, Verstand* AK. 1, 1, 4, 10. TRIK. H. 309. H. an. MED. HALĀJ. 5, 14. — Vgl. अ°, प्रातिपद्. प्रतिपद्भिः MBH. 2, 475 Druckfehler für प्रतिपद्भिः.

प्रतिपद (1. प्र° + पद्) n. Bez. eines Upāṅga Ind. St. 3, 260. fg.

प्रतिपद्व (vom folg.) n. *das schrittweis Fortschreiten*: येनैव प्रपत्ति तेनोच्यन्ति प्रतिपदत्वाय प्रतिप्रज्ञात्यै KĀTJ. 23, 9.

प्रतिपदम् (von 1. प्र° + पद्) adv. 1) *bei jedem Schritt, überall, bei jeder Gelegenheit* KATHĀS. 19, 84. 20, 223. 22, 105. 23, 79. 50, 41. Glt. 4, 7. PRAB. 44, 9. Verz. d. Oxf. H. No. 90, Çl. 1. KĀURAP. 32. — 2) *bei jedem Worte* MÜLLER, SL. 123. — 3) *wörtlich, namentlich, ausdrücklich*: प्रतिपदविधाना (षष्ठी) P. 2, 2, 40. VArtt. 1. प्रतिपदनिर्दिष्ट KULL. zu M. 4, 221. प्रतिपदोक्त P. 6, 2, 26. Sch. SIDDH. K. zu P. 1, 1, 28. Die Paribhāṣā लक्षणप्रतिपदोक्तयोः प्रतिपदोक्तस्य übersetzt Goldst. in MĀN. 114, b: «(if there is a doubt) whether a secondary or a primitive form (be meant), the primitive form (has the precedence).» Wohl eher: *eine ausdrückliche Angabe gilt mehr als eine allgemeine, unter die der besondere Fall subsumiert werden könnte.*

प्रतिपदा und प्रतिपदी f. = प्रतिपद् 4. Verz. d. Oxf. H. 30, b, N. 1. 31, a, 3.